हादसे | दो को बचाया, एक की तलाश जारी

कार्तिक पूर्णिमा पर दो घाटों पर हादसे, तीन किशोर नर्मदा में डूबे

नवभारत। गाडरवारा। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को नर्मदा स्नान के दौरान जिले में दो अलग-अलग जगहों पर दो दर्दनाक हादसे हो गए। गाडरवारा और करेली थाना क्षेत्रों के ककरा घाट और बरमानघाट में तीन किशोर स्नान करते समय गहरे पानी में डूब गए। दो को समय रहते बचा लिया गया, जबकि एक किशोर की तलाश देर रात तक जारी रही। ककरा घाट में बड़ा हादसा — एक लापता जानकारी के अनुसार, तेंदुखेड़ा थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध ककरा घाट पर बुधवार सुबह गाडरवारा निवासी तीन किशोर नर्मदा स्नान करने पहुँचे थे। स्नान के दौरान अचानक वे गहरे पानी में चले गए। आसपास मौजूद श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया और दो किशोरों को बाहर निकाल लिया, लेकिन 13 वर्षीय मोहित सोनी पुत्र संतोष सोनी की डूबने से तलाश जारी है। सूचना मिलते ही तेंदुखेड़ा थाना पुलिस और स्ठक्र्रन्न टीम मौके पर पहुँची और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। देर शाम तक टीम लगातार खोजबीन में जुटी रही, लेकिन मोहित का पता नहीं चल सका।

बताया जाता है कि तीनों किशोर गाडरवारा से कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए आए थे। बरमानघाट पर भी किशोर डूबा इसी दिन दूसरा हादसा करेली थाना क्षेत्र के बरमानघाट पर हुआ। यहाँ केरपानी निवासी 13 वर्षीय राजभोज पुत्र नारायण गौड़ नर्मदा स्नान करते समय गहरे पानी में समा गया। स्थानीय लोगों ने प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुँची स्ठक्र्रन्न और करेली पुलिस टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। देर शाम तक उसकी भी तलाश जारी थी।

श्रद्धा के पर्व पर हादसों से छाया मातम

लापता मोहित सोनी जिसका आज जन्मदिन था

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जिले के विभिन्न घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी। लोग श्रद्धा भाव से नर्मदा स्नान कर पूजा-अर्चना में लीन थे, तभी इन दो हादसों ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया। प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता के निर्देश जारी किए हैं। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी स्नान के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएँ टाली जा सकें।

मां नर्मदा में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

एक दिन पूर्व से ही पैदल चलकर पहुंचे स्नान करने

नवभारत। तेंदूखेड़ा कार्तिक मास में स्नान दान का बड़ा ही महत्व हुआ करता है। जिसके चलते पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई । स्नान कर पूजन अर्चन किया। स्नान करने के आसपास जिलों विशेष तौर पर सागर और रायसेन जिले के अंतर्गत आने वाले हजारों की संख्या में श्रद्धालु एक दिन पूर्व से ही पैदल चलकर नर्मदा घाटों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।विशेष तौर पर भगवान ब्रह्मा की तपस्थली ब्रह्माण्ड घाट बरमान में तथा ककरा घाट बिल्थारी करोंदी थरेरी बारह सिमरिया शोकलपुर घाटों पर स्नान करने वालों की विशेष भीड़ बनीं रही ।बरमान से श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पंचकोसी परिक्रमा पर निकले तथा जहां से परिक्रमा उठाई थी वहीं पर जाकर पूजन पाठ संपन्न कराया। इस तिथि पर अधिकांश श्रद्धालु जन बसों के माध्यम से नर्मदा परिक्रमा पर निकलते हैं। स्नान करने पहुंचने वाले श्रद्धालु नर्मदा घाटों पर पूजन अर्चन भगवान सत्यनारायण जी की कथा करवा कर पुण्य दान किया करते हैं। तथा घाटों पर ही भंडारे करवाते हैं।भर्ता बाटी बनाकर आनंद लुप्त उठाते हैं। विभिन्न घाटों पर जहां भीड़ का अधिक दबाव पड़ता है वहां पर यातायात व्यवस्था को लेकर भी प्रभारियों द्वारा बाहन पार्किंग और आवागमन सुचारू चले को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे।भारी बाहनों की आवाजाही पर भी भीड़ को देखते हुए लगभग प्रतिबंध लगा रहा। ककरा घाट बिल्थारी और शोकलपुर घाटों पर दो दिवसीय मेलों का आयोजन किया गया है। जहां झूले खेल खिलौने और दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्री की दुकानें बड़ी संख्या में लगाई गई हैं।

श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गोटेगांव। बीते दिवस कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं का नर्मदा तटो पर उमड़ा जनसैलाब अल सुबह से ही श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा तटो पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और पूर्ण विधि विधान मंत्र उच्चारण के साथ मां नर्मदा मैया जी की पूजन अर्चन किया ऐसा बताया गया है .

विधायक ने अभिनंदन कर परिक्रमावासियों को किया रवाना

गोटेगांव विगतदिवस समीपवर्ती ग्राम झांसीघाट स्थित मां नर्मदातट पर जगत जननी दुखहरणी मां नर्मदामैया जी की पूर्ण विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजनअर्चन आरती वंदन कर विधायक ने परिक्रमावासियों को बस से मां नर्मदाजी की परिक्रमा हेतु रवाना किया।

गुरुनानक जयंती पर समन्वय परिवार द्वारा गरिमामय आयोजन

नवभारत। नरसिंहपुर। आज गुरुनानक जयंती पर समन्वय परिवार द्वारा सिख धर्म के प्रथम गुरु नानक जयंती पर सर्व धर्म के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एकता स्तंभ पर पुष्पांजलि द्वारा किया गया। आज का मुख्य विषय ईश्वर का स्मरण करना, ईमानदारी से मेहनत करना एवं बांटकर खाना के संदर्भ में सभी वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला गया। सर्वप्रथम श्रीमति ज्योति दुबे द्वारा गुरु जी की स्तुति गीत प्रस्तुत किया। अपने स्वागत भाषण में फादर एंटो द्वारा आज के कार्यक्रम में उपस्थित सभी धर्मावलंबियों का स्वागत किया। श्री सुधीर दुबे द्वारा एक सुमधुर गीत प्रस्तुत किया

गया। अपने उद्बोधन में एड तराना खान ने सभी धर्म की एकजुटता का संदेश दिया। श्री कृष्णकांत चौबे द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। ई, रुद्रेश तिवारी ने समन्वय परिवार की सराहना करते हुए एकता पर बल दिया। चावरा विद्यापीठ की छात्रा जगजीत कौर द्वाराअपने उद्बोधन में गुरु नानक देव जी के मार्ग पर चलने की बात कही।

धर्म वही है जो जीवों को संसार के दुखों से छुडाकर सच्चे सुख में पहुंचा दे

नवभारत। तेंदूखेड़ा। पट्टाचार्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के सान्निध्य में आगामी 9 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक 1008 श्री मुनिसुव्रत नाथ श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ सम्पन्न होना है। दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य 108 मुनि श्री साक्ष्य सागरजी महाराज एवं 108 मुनि श्री निवृत्तसागर जी महाराज विराजमान है। बडी संख्या में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री निवृत्तसागर जी महाराज ने कहा कि जिसे धारण किया जाए वह धर्म है। धर्म कोई बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है । धर्म वह है जो प्राणियों को संसार के दुखों से निकाल कर सच्चे सुख में

पहुंचा देता है। इस प्रकार सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र ही सच्चा धर्म है। समता भाव का नाम धर्म है, विनम्रता का नाम धर्म है? सरलता का नाम धर्म है ।संतोष और सहजता का नाम धर्म है। परिणाम की निर्मलता का नाम धर्म है। जो क्रोध मान माया लोभ, हिंसा झूठ चोरी कुशल परिग्रह इनमें आसक्त है वह धर्म से कोसों दूर है । इसलिए अपने हृदय को मन को सरल और परिणामों को निर्मल बनाएं तभी धर्म के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। मुनि श्री साक्ष्य सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा की जन्म जन्मों के प्रबल पुण्य के उदय से यह मानव पर्याय प्राप्त हुई है । मानव पर्याय अत्यंत दुर्लभ है। यह अमूल्य रत्न के समान है और जैसे कोई व्यक्ति बहुमूल्य रत्न को प्राप्त करके और उसे कंगूरे पर बैठे हुए कौवे को उड़ाने में खो देता है उसी प्रकार यह दुर्लभ मानव पर्याय को प्राप्त करके यदि इसे विषय भोगों में गवां दिया तो अंत में पछतावा रह जाता है। जैसे किसी को चंदन के वृक्षों का बाग मिल जाता है और वह उन चंदन के वृक्षों का जलाकर कोयला बनाकर बेच देता है तो उसे सबसे बड़ा मूर्ख ही कहा जाएगा क्योंकि उसने चंदन के मूल्य को समझा नहीं है। इसी तरह यह मानव जीवन है ।जो बड़ी दुर्लभता से प्राप्त हुआ है। इसे संसार के पांच इंद्रियों के विषय भोगों में गवा देना उसी व्यक्ति के समान है जो चंदन के वृक्षों को जलाकर कोयला बनाकर बेच देता है । व्यक्ति अहंकार में अपने आप को बहुत बड़ा मानकर किसी को कुछ भी नहीं समझता है ।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा गाड़ी में लगाई गई आग

नवभारत।गाडरवारा। पटेल वार्ड में रहने वाले देवेंद्र छिपा के बताएं अनुसार रात करीब 2 से 2.30 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा देवेंद्र छिपा की गाड़ी में आग लगा दी गई, जो कि घर के बाहर खड़ी थी ,जब आग की ज्यादा रौशनी दिखाई दी तो घर वालों ने उठकर देखा तो गाड़ी में आग लगी थी, तुरंत 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई ।

पूर्ण साक्षर जिला नरसिंहपुर की अधूरी कहानी

नरसिंहपुर। जिले की बदहाल हालत और जनहितकारी व्यवस्थाओं पर जनप्रतिनिधियों के मौन को लेकर कांग्रेस के युवा नेता अतुल चौरसिया ने ब? सवाल उठाए हैं उन्होंने अपनी जारी विज्ञप्ति में कहा है कि साल 1992 में नरसिंहपुर को पूरे मध्यप्रदेश का पहला पूर्ण साक्षर जिला घोषित किया गया था। उस समय नरसिंहपुर पूरे प्रदेश के लिए मिसाल था शिक्षा, जागरूकता और समाज सुधार की पहचान थी। लेकिन आज वही जिला 33साल बाद उपेक्षा, बेरोज़गारी, नशे और टूटी स्वास्थ्य व्यवस्था से जूझ रहा है। उनका कहना है कि स्मैक और नशे का कारोबार जिले में तेजी से फैल रहा है। नशा आज हर गली-मोहल्ले तक पहुँच चुका है और प्रशासन के पास न कोई ठोस योजना है, न कोई सख्त कार्रवाई। बेरोज़गारी ने युवाओं को अंधेरे रास्तों की ओर धकेल दिया है इन हालातों में भी जिले के जनप्रतिनिधि खामोश हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जहाँ सरकारी शिक्षा कमजोर है, वहीं प्राइवेट स्कूल अपनी मनमानी पर उतारू हैं। मनमानी फीस, एडमिशन का दबाव और पारदर्शिता का अभाव मध्यवर्गीय परिवारों की कमाई अब शिक्षा की लूट में खत्म हो रही है।

- शिक्षा का गौरव... लेकिन विकास का अंधकार!
- जब अपने ही मंत्री चुप हैं, तो हमारी आवाज़ कौन उठाएगा??
- नरसिंहपुर जागो — बदलाव अब जरूरी है!
- शिक्षा और रोजगार के रास्ते बंद- अतुल

डिग्री लेकर घूम रहे युवा

युवा नेता अतुल का कहना है कि प्रदेश के अधिकतर जिलों में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और यूनिवर्सिटी कैंपस खुल चुके हैं, लेकिन नरसिंहपुर के युवा आज भी उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों की राह पकड़ने को मजबूर हैं। जिले में न कोई बड़ा सरकारी कॉलेज, न तकनीकी संस्थान है जिससे शिक्षित युवा हाथ में डिग्री लेकर भी बेरोज़गार और निराश है। रोजगार के अभाव में हजारों युवा घर-परिवार छोड़कर शहरों और दूसरे राज्यों में मजदूरी करने को मजबूर हैं। यह पलायन सिर्फ आर्थिक नहीं, यह सामाजिक टूटन की निशानी है। जो जिला कभी साक्षरता का उदाहरण था, वह आज बेरोज़गारी और पलायन का प्रतीक बन चुका है।

दो मंत्री , फिर भी नरसिंहपुर बेहाल

विज्ञप्ति में अतुल चौरसिया ने सवाल करते हुए आरोप लगाए हैं कि यह विडंबना ही है कि जिले से दो-दो मंत्री एक शिक्षा मंत्री और दूसरा श्रम मंत्री सरकार में शामिल हैं, फिर भी जिले में न शिक्षा का विस्तार हुआ, न रोजगार की योजनाएँ दिखीं। जनता पूछ रही है जब अपने ही मंत्री चुप हैं, तो हमारी आवाज़ कौन उठाएगा। नरसिंहपुर की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। जिले के अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है, कई पद सालों से खाली पड़े हैं। नतीजा यह है कि मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और अनेक लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ देते हैं। ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति और भी भयावह है जहाँ न एम्बुलेंस की सुविधा है, न विशेषज्ञ डॉक्टर हैं। जिला अस्पताल की हालत यह है कि जहाँ आसपास के जिलों से मरीज इलाज के लिए आते हैं, वहीं यहाँ की मशीनें खराब, दवाइयाँ नदारद और डॉक्टरों की ड्यूटी अधूरी रहती है। प्राइवेट अस्पताल मरीजों की मजबूरी का फ़ायदा उठाकर लूट केंद्र बन चुके हैं हर जांच, हर इलाज के नाम पर गरीब जनता को लूटा जा रहा है सरकार व प्रशासन मूक दर्शक बने हुए हैं।

जनता के सवाल

- नरसिंहपुर में अब तक मेडिकल या इंजीनियरिंग कॉलेज क्यों नहीं।
- स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों और विशेषज्ञों के खाली पद कब भरेंगे।
- युवाओं को स्थानीय रोजगार नीति क्यों नहीं दी गई।
- नशे और अवैध कारोबार पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं।
- प्राइवेट स्कूलों और अस्पतालों की लूट पर सरकार मौन क्यों है।
- जब जिले से दो मंत्री हैं, तो विकास योजनाएँ कहाँ हैं।
- यह समय है जन-जागरण का।
- नरसिंहपुर के युवा, किसानों, व्यापारियों और बुद्धिजीवियों को
- अब मिलकर आवाज़ उठानी होगी।
- सरकारों को याद दिलाना होगा कि साक्षरता सिर्फ किताबों में नहीं जनता के जीवन स्तर में झलकनी चाहिए।

एक नजर में

गुरुवर शुद्धानंद जंयती पर्व अंखड जप अनुष्ठान के साथ मनाया गया

नवभारत। सालीचौका नरसिंहपुर। प्रति वर्ष की भांति गत 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर हम सबके आराध्य पथप्रदर्शक गुरुदेव स्वामी श्री शुद्धानंद नाथ जी महाराज की जन्म जंयती महापर्व 5 नंवबर दिन बुधवार को पूज्यनीय ब्रम्हचारी जी श्री मूलानंद जी महाराज के सूक्ष्म संरक्षण में उन्नत कृषक नेतराम पड़हार कृषि फार्म बसुरीया मंडल एवं सालीचौका के आमढाना आश्रम में जय जय अलख निरंजन के चौबीस घंटे मंत्रोच्चार से प्रज्वलित अग्निकुंड के समक्ष बैठकर अखंड जयघोष अनुष्ठान के साथ मनाया गया। उक्त आयोजन में देश प्रदेश व क्षैत्रीय समस्त साधकों ने एक दिन पूर्व 4 नवंबर को पहुंचकर जयंती महापर्व में हिस्सा लिया ।मुकेश त्रपाठी बालाघाट के सान्निध्य में जैविक कृषि विशेषज्ञ अनिल नागर,मनोज जोशी हुये शामिल इस वर्ष जैविक भारत अभियान के तहत ली बैनिफिश कं.के मैनिजिंग डारेक्टर जैविक कृषि विशेषज्ञ अनिल नागर, और फिल्म अभिनेता मनोज जोशी उक्त जयंती समारोह अनुष्ठान में शामिल हुये। उल्लेखनीय हैं कि त्रपाठी के प्रयासों से पूर्व वर्षों में नरसिंहपुर जिले के पूर्व कलेक्टर वेदप्रकाश शर्मा,नर्मदापुरम कमिश्नर माल सिंग , अमेरिका से कृषि वैज्ञानिक जोसिफ ने भी हिस्सा लिया था। नागर व जोशी से विशेष साक्षात्कार प्रतिक्षित।

नरसिंहपुर की बेटी बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

नवभारत। नरसिंहपुर। नगर की बेटी ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल कर यह संदेश दिया है कि बेटियाँ अब किसी भी सीमा में बंधने वाली नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट स्व. सरदार तेज सिंह छाबड़ा संतोष रानी छाबड़ा की पौत्री सरदार जसवीर सिंह छाबड़ा (नीटु सेठ) की पुत्री दिलप्रीत कौर छाबड़ा (खुशी) फर्स्ट अटेंप्ट में बनी CA. (सीए) बनकर अपने सपनों को साकार किया और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है ।दिलप्रीत छाबड़ा उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि समस्त नगर के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है। सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि आज की बेटियां केवल घर की जिम्मेदारी ही नहीं निभाती, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उनकी यह उपलब्धि उस सामाजिक परिवर्तन की प्रतीक है।

जिला परिवहन विभाग द्वारा वाहनों की चैकिंग कर 4 वाहन जप्त किए गए

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन में जिला परिवहन विभाग नरसिंहपुर के द्वारा जिले में स्कूली व सवारी वाहनों की चैकिंग की जा रही है। इसी क्रम में विभाग द्वारा मंगलवार को कारमेल स्कूल व रेवाश्री स्कूल की लगभग 25 वाहनों की चैकिंग की गई। इन वाहनों में फिटनेस, बीमा, ओवरलोडिंग, मेडिकल किट, अग्निशमन यंत्र सहित अन्य दस्तावेजों को चैक किया गया। चैकिंग के दौरान 4 वाहन नियमानुसार नहीं पाए जाने पर उन्हें जप्त किया गया।

श्रीमाता राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी पाटोत्सव का आयोजन

नवभारत। करेली। पावन नगरी राम मंदिर करेली में आगामी 3 एवं 4 दिसंबर को श्रीमाता राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी पाटोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जगद्गुरु शंकराचार्य भगवान स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज का प्रथम नगर आगमन होगा। ' कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार 3 एवं 4 दिसंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें भगवती राजराजेश्वरी की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। रथ में उनकी सुपुत्री बाला भवानी विराजमान होंगी। शोभायात्रा में महामंडलेश्वर जी सहित अनेक संत-महात्मा सम्मिलित होंगे। जगद्गुरु शंकराचार्य भगवान स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज विशाल रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे।

3 एवं 4 दिसंबर दोनों दिनों में धार्मिक प्रवचन आयोजित होंगे। भगवती राजराजेश्वरी का अर्चन पूजन होगा। समारोह की रूपरेखा हेतु हनुमान मंदिर गल्ला मंडी करेली में विद्वानजनों व नागरिकों की बैठक आयोजित की गई आयोजक मंडल ने समस्त श्रद्धालुओं से निवेदन है।

डीएपी यूरिया खाद की हो रही ब्लैकमेलिंग, किसानों में आक्रोश

नवभारत। गोटेगांव विगतदिवस इस साल वारिश अच्छी होने से जहां फसलों का अच्छा उत्पादन हुआ है, किसान फसल की पैदावार अच्छी होने से खुश हैं। मंडी में मक्का रखने के लिए जगह नहीं मिल रही है। बहुत से किसान आने वाली फसल की बोवनी से जुट गए है। जिसके लिए वह खाद पाने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत नजर आ रहे हैं। मगर किसानों को बोवनी करने के लिए डीएपी यूरिया खाद सहजता से नहीं मिल रहा है। कई जगह अधिक दाम देकर डीएपी खाद किसान प्राप्त कर रहे हैं। जिससे किसानों मैं आक्रोश व्याप्त है साथ ही एक दो बोरी डीए?पी देने से किसान संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। किसानों को आसानी से यूरिया खाद नहीं मिल पाने से काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है क्षेत्रीय कृषकों ने संबंधित विभाग एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समय पर डीएपी खाद उपलब्ध कराए जाने की मांग की है ताकि किसान अपने समय पर बोवनी कर सकें! वहीं क्षेत्रीय किसानों का कहना यह भी है कि कुम्हड़ाखेड़ा वेयरहाउस में जब भी डीएपी यूरिया का लाट आता है।

सुहागलों का कार्यक्रम आयोजित

नवभारत। गोटेगांव। बीते दिवस नगर स्थित शीतल धर्मशाला में चौरसिया महिला समिति द्वारा सुहागानों का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया द्व माता रानी की सुहागलों का आयोजन एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव था। इस पावन अवसर पर तुलसी विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 60 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा चौकसे ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन को और भी भव्य बनाया। माता रानी के मधुर भजनों और भोजन प्रसादी ने वातावरण को भक्तिमय और श्रद्धामय बना दिया। समिति की अध्यक्ष श्रीमती बबीता ने सभी सदस्यों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहयोग और एकजुटता से ही समाज प्रगति की ओर अग्रसर होता है। उनके इन शब्दों ने सभी के मन में एक नई

ऊर्जा और उत्साह भर दिया। कार्यक्रम में महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता और भक्ति भाव ने समाज में एकता, संस्कृति और मातृशक्ति के सम्मान का सुंदर संदेश दिया। इस आयोजन ने साबित कर दिया कि जब महिलाएं एकजुट होती हैं, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। आयोजन में समिति की कोषाध्यक्ष कौशल्या अन्नीलाल सचिव श्वेता सहसचिव मोनिका तथा अंजना, नेहा और सरिता की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। वही बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थी।

श्रीमद भागवत कथा में श्रीकृष्ण सुदामा मिलन

नवभारत। करेली। ग्राम कामती में भागवत कथा के समापन दिवस पर कथा व्यास रविशंकर महाराज जी ने श्रीक्रष्ण सुदामा मिलन प्रसंग सुनाया जिसमें सुदामा अपनी पत्नि सुशीला के कहने पर द्वारकाधीश से मिलने जाते हैं द्वारका पहुंचने पर सुदामा अपनी गरीबी के कारण संकोच करते हैं महल के बाहर खडे थे तब द्वारपाल के पूछने पर सुदामा ने कहा कि श्रीक्रष्ण से कहो कि आपका सखा सुदामा आया है द्वारपाल ने संदेश दिया तो द्वारकाधीश यह सुनकर कि मेरा मित्र सुदामा आया है तो वह नंगे पैर ही दोड लगाते हुए महल के बाहर गए सुदामा से मिलकर दानों मित्र गले मिलकर रोने लगे अपने मित्र सुदामा को महल में ले आए देख सुदामा की दीन दशा कारण कटके करूणा निधि रोए पानी परात को हाथ छुए नहीं नैनन के जल से पग धोए क्षरकाधीश ने सुदामा से पूछा कि मेरी भाभी ने क्या भेजा है।